'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी, जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

शिक्षा के साथ संस्कार भी

विद्यालय के संस्थापक

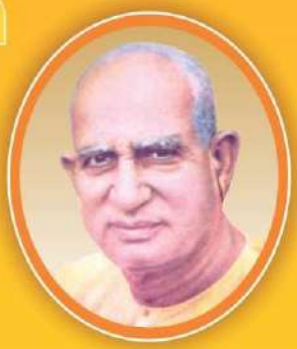

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

विद्यालय के प्रबंधक

सह-शिक्षा
(Co-Education)
LKG से 12वीं तक

महिला शिक्षा
(स्नातक से स्नातकोत्तर तक)

विवरणिका
2022-23

यू.पी. बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त (10+2)

महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज

एवं

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध

महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज

रामदत्तपुर, गोरखपुर–273 001 (उ.प्र.)

E-mail : mpkicgkp1@gmail.com, mpwoman94@gmail.com • Website : www.mpmpgc.in

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

कुल गीत

यह महाराणा प्रतापाख्यावती शिक्षा-परिषद् ज्ञान की मन्दाकिनी।।
नाथ-मन्दिर की अखण्ड-ज्योति से
प्रज्वलित यह भारती की आरती।
यह भगीरथ से व्रती व्यक्तित्व की
दिग्विजय की यशो-गाथा पावनी
यह महाराणा प्रतापाख्यावती शिक्षा-परिषद् ज्ञान की मन्दाकिनी।।
सिद्ध गुरु गोरक्ष की विज्ञान-भू में
बुद्ध-वीर-कबीर की निर्वाण भू में
ज्ञान की धात्री चरित्र-विधान की
राप्ती तट पर प्रकट विद्या-वनी
यह महाराणा प्रतापाख्यावती शिक्षा-परिषद् ज्ञान की मन्दाकिनी।।
हों प्रताप समान फिर युवजन कृती
देशभक्त, स्वधर्म-निष्ठ, कुलव्रती।
इसलिए सारस्वतानुष्ठान यह
शैक्षणिक जागर्ति की कादम्बिनी।।
यह महाराणा प्रतापाख्यावती शिक्षा-परिषद् ज्ञान की मन्दाकिनी।।

हमारे आदर्श
महाराणा प्रताप

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत-

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि-

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक-जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित चार दर्जन से भी अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं चिकित्सा-शिक्षा संस्थाओं में 70 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र-संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1972-73 ई. में गोरखपुर में विद्यालय की स्थापना के लिए उदारतापूर्वक तत्कालीन महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा विहार को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुये शिक्षा से वंचित शहरी अंचल रामदत्तपुर में महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनाने हेतु सतत् प्रयत्नशील है। एक ही परिसर में एल.के.जी. से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा का समवेत प्रतिमान खड़ा करने का अद्वितीय प्रयत्न है।

महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज रामदत्तपुर के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि – महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं उपर्युक्त संस्थाओं की स्थापना के दर्शन एवं लक्ष्य के अनुसार इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस विद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदनन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का

परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में चार दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज सिविल लाइन्स, महाराण प्रताप पी.जी. कॉलेज जंगल धूसड़ गोरखपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, शिशु शिक्षा विहार लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज चौक माफी पीपीगंज, गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ पितेश्वरनाथ मन्दिर भरोहिया पीपीगंज, महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र चौक माफी पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरु श्रीगोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग बालापार रोड, सोनबरसा, महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार, आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा का शुभारम्भ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का एक युगान्तकारी प्रघटन है जो शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रतिमान संस्था के रुप में विकसित किये जाने की योजना के क्रियान्वयन की आधारशिला है। महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज, रामदत्तपुर इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज : एक दृष्टि में

महाराणा प्रताप कन्या इन्टर कॉलेज, रामदत्तपुर, गोरखपुर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की कड़ी का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव था। महानगर में धर्मशाला सूर्यकुण्ड मार्ग पर इस विद्यालय की नींव 26 जून सन् 1972 ई. को गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा रखी गयी। यह विद्यालय 2018 ई. में नये प्रतिमान के साथ इण्टर कॉलेज के रूप में पुर्नप्रतिष्ठित किया गया, जिसका उद्घाटन 28 जून 2018 ई. को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व 2005 ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय की नींव रखी गयी और यह महाविद्यालय आज स्नातकोत्तर स्तर की महिला शिक्षा का केन्द्र है।

उद्देश्य

गुणवत्ता युक्त एवं मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था के एक मानक केन्द्र के रूप में विकसित किये जाने की योजना से स्थापित इस शिक्षण परिसर में छात्र/छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ संस्कारयुक्त जीवन एवं भारतीय मूल्यों के प्रति आग्रही बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने का अहर्निश प्रयत्न जारी रहता है। हम इस बात का ध्यान रखकर इस संस्था का वातावरण सृजित कर रहे हैं कि यहाँ अध्ययन करने वाले छात्र/छात्रा अपने कैरियर के साथ-साथ देश, समाज एवं परिवार के प्रति अपने जवाबदेही महसूस करे।

सत्रारम्भ एवं दिनचर्या

विद्यालय कार्य संस्कृति के अनुसार LKG से इण्टरमीडिएट तक की कक्षाएँ 1 अप्रैल से प्रारम्भ हो जाती हैं तथा महाविद्यालय की स्नातक से स्नातकोत्तर की कक्षाएँ 16 जुलाई से प्रारम्भ हो जाती हैं। प्रातः प्रार्थना सभा से पूर्व सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारीगाण महाविद्यालय परिसर में अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जाते हैं। प्रार्थना, सरस्वती वन्दना, राष्ट्रीय गान, गायत्री मंत्र, रामचरित मानस एवं श्रीमद्भागवत गीता, दैनिक समाचार तथा बोध वाक्य के साथ कक्षाओं का संचालन होता है।

उपस्थिति एवं गणवेश

विद्यालय द्वारा इस बात का प्रयास किया जाता है कि छात्र/छात्राओं की लगभग पचहत्तर प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो। विद्यालय में गणवेश लागू है।

कक्षा LKG से 8वीं (बालक)

- **ग्रीष्मकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : सफेद शर्ट, मैरून पैन्ट, सफेद मोजा, काला जूता, सफेद रुमाल, टाई बेल्ट।

शुक्रवार तथा शनिवार : सफेद शर्ट, सफेद पैन्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता, टाई बेल्ट।

- **शरदकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : सफेद फुल शर्ट, मैरून पैन्ट, मैरून टोपी, सफेद मोजा, काला जूता, टाई बेल्ट, मैरून स्वेटर/ब्लेजर।

शुक्रवार तथा शनिवार : सफेद शर्ट, सफेद पैंट, सफेद मोजा, सफेद जूता, टाई बेल्ट, मैरून स्वेटर/ब्लेजर।

सोमवार से बृहस्पतिवार

कक्षा LKG से 8वीं (बालिका)

- **ग्रीष्मकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : सफेद शर्ट, मैरून स्कर्ट, सफेद मोजा, काला जूता, सफेद रुमाल, टाई बेल्ट।

शुक्रवार तथा शनिवार : सफेद शर्ट, सफेद स्कर्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता, टाई बेल्ट, मैरून टोपी, मैरून स्वेटर/ब्लेजर।

- **शरदकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : मैरून ब्लेजर/स्वेटर, मैरून टोपी, सफेद फुल शर्ट, मैरून स्कर्ट, सफेद मोजा, काला जूता, टाई बेल्ट।

शुक्रवार तथा शनिवार : सफेद शर्ट, सफेद स्कर्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता, टाई बेल्ट।

शुक्रवार से शनिवार

कक्षा 9वीं से 12वीं (बालक)

- **ग्रीष्मकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : सफेद शर्ट, मैरून पैन्ट, सफेद मोजा, काला जूता, टाई बेल्ट।

शुक्रवार तथा शनिवार : सफेद शर्ट, सफेद पैन्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता, टाई बेल्ट।

- **शरदकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : उपरोक्त वेश के साथ मैरून ब्लेजर या स्वेटर

सोमवार से बृहस्पतिवार

कक्षा 9वीं से 12वीं (बालिका)

- **ग्रीष्मकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : मैरून समीज (कुर्ता फुल स्लीव कलाई तक तथा गले पर कालर), सफेद सलवार, सफेद मोजा, काला जूता।

शुक्रवार तथा शनिवार : सफेद समीज (कुर्ता फुल स्लीव कलाई तक तथा गले पर कालर), सफेद सलवार, सफेद मोजा, सफेद जूता।

- **शरदकालीन**

सोमवार से बृहस्पतिवार : उपरोक्त के साथ मैरून ब्लेजर या स्वेटर

शुक्रवार से शनिवार

स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर भी बालिकाओं हेतु गणवेश निर्धारित है।

- **ग्रीष्मकालीन**

सोमवार से शनिवार : सफेद, मैरून चेक समीज (फुल स्लीव्स), मैरून सलवार, मैरून दुपट्टा, सफेद मोजा, काला जूता।

- **शरदकालीन**

सोमवार से शनिवार : सफेद, मैरून चेक समीज (फुल स्लीव्स), मैरून ब्लेजर, मैरून सलवार, मैरून दुपट्टा, सफेद मोजा, काला जूता।

सोमवार से शनिवार

पाठ्यक्रम

कक्षा **LKG** से 7वीं तक अंग्रेजी माध्यम

कक्षा 6 से 12 तक हिन्दी माध्यम (NCERT पाठ्यक्रम) से कला वर्ग, विज्ञान वर्ग तथा वाणिज्य वर्ग।

स्नातक स्तर पर – हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, गृह विज्ञान

स्नातकोत्तर स्तर पर – समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, गृह विज्ञान

छात्र सहभागिता

छात्र एवं छात्राओं में नैतिक एवं प्रशासनिक कुशलता के विकास हेतु प्रतिवर्ष प्रतियोगिता एवं उपस्थिति के आधार पर कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं।

प्री बोर्ड/विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

बोर्ड परीक्षा के पूर्व विद्यार्थियों को परीक्षा की दृष्टि से मानसिक रूप से तैयार करने के लिए कक्षा-10, कक्षा-12 एवं स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के विद्याथियों की प्री बोर्ड/विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा करायी जाती है तथा इनकी उत्तर-पुस्तिकाओं का उचित मूल्यांकन कर उन्हें दिखाकर संतुष्ट कराया जाता है तथा उनकी त्रुटियों से उन्हें अवगत कराया जाता है। इस परीक्षा में अपेक्षाकृत निम्न स्तर का प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चिह्नित कर उनके लिए अलग से उपचारात्मक कक्षाओं का प्रबन्ध कराया जाता है।

प्री बोर्ड परीक्षा देते विद्यार्थी

भारत स्काउट–गाइड

संस्थान के स्थापना वर्ष से ही प्रदेश सरकार द्वारा संचालित भारत स्काउट–गाइड उपक्रम संस्थान में संचालित है। विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा के बोध का उन्नयन करना इस उपक्रम का मूल उद्देश्य है।

स्काउट-गाइड का प्रशिक्षण प्राप्त करते विद्यार्थी

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना महाविद्यालय में 2010 से छात्राओं की सामाजिक सेवा के बोध उन्नयन कर रहा है। महाविद्यालय में एक ईकाई (रानी लक्ष्मीबाई) स्वीकृत है।

NSS में उपस्थित छात्राएं

NCC जागरूकता रैली निकालती छात्राएं

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)

छात्राओं में सेवा भावना, राष्ट्रीय भक्ति जागरित करने के लिए महाविद्यालय में NCC स्थापित है।

रोवर्स रेंजर्स

सामाजिक सेवा में सहभागिता एवं पारस्परिक जागरूकता बढ़ाने हेतु 2013 से रोवर्स रेंजर्स स्थापित है।

प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित छात्राएं

क्रीड़ा, पी.टी. व्यायाम

'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।' विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाये रखने के उद्देश्य से विद्यालय में नियमित रूप से अपराह्न तीन बजे के उपरान्त विभिन्न क्रीड़ाओं का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी अपने रुचि के अनुरूप विभिन्न खेलों में अध्यापकों के साथ सहभाग करते हैं।

पी.टी. एवं व्यायाम करते छात्र एवं छात्राएं

शिक्षक–अभिभावक बैठक

विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक बैठक के माध्यम से विद्यार्थियों के अभिभावकों द्वारा पठन-पाठन से सम्बन्धित दिये गये सुझावों को विद्यालय का प्रशासन न सिर्फ प्राथमिकता पर रखकर सुनता है, अपितु उन सुझावों को यथाशीघ्र विद्यालय प्रशासन के अन्तर्गत लागू कराने का हर संभव प्रयास करता है। शिक्षक-अभिभावक बैठक निःसन्देह संस्थान के उत्तरोत्तर विकास में अत्यन्त लाभकारी है।

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, अध्यापक एवं प्रधानाचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम का उद्देश्य अत्यन्त पुनीत एवं सांकेतिक है। इस उपक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी सहित पूरा विद्यालय/महाविद्यालय परिवार एकजुट होकर अपने घर की भाँति सम्पूर्ण विद्यालय परिसर की साफ-सफाई एवं रख-रखाव का कार्य करता है। इस कार्यक्रम के पीछे का भाव किसी भी प्रकार के कार्य के प्रति हीन भावना का परित्याग मात्र है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर सप्ताह में एक दिन अध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती हैं। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं को कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं। साप्ताहिक कक्षाध्यापन कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का सृजन तथा अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना है।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में अध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्न-पत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है। मासिक मूल्यांकन हेतु प्रत्येक शिक्षक अपने-अपने विषय के चुने हुए प्रश्नों को प्रश्नपत्र के रूप में विद्यार्थियों को देता है, जिनका उत्तर विद्यार्थियों को लिखित रूप में निश्चित समय सीमा के भीतर देना होता है। विद्यार्थियों द्वारा दिये गये प्रश्नों के उत्तरों का शिक्षक सूक्ष्मता के साथ मूल्यांकन करता है। मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरान्त विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली गलतियों को शिक्षक व्यक्तिगत रूप से उन्हें न सिर्फ बताता है, अपितु उसे किस प्रकार से सुधारा जाय यह भी सिखाता है। मासिक मूल्यांकन की यह प्रक्रिया विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास एवं प्रतिस्पर्धात्मक व्यक्तित्व के सृजन में अत्यन्त सहायक सिद्ध हुई है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण शिक्षकों द्वारा प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर लिखित रूप से प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक विद्यार्थी की माहवार उपस्थिति एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है। विद्यार्थी अथवा विद्यार्थियों के अभिभावक जब चाहें सम्बन्धित विषय के शिक्षक से मिलकर अपने पाल्य की मासिक गतिविधि देख सकते हैं।

शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रति वर्ष कम से कम पाँच विद्यार्थी गोद लिया जाता है। उस विद्यार्थी का पठन-पाठन एवं आचरण/व्यवहार की निगरानी एवं उसमें सुधार का प्रयत्न सम्बन्धित शिक्षक करता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाएँ

विषय का सुनियोजित शिक्षण देने के उद्देश्य से विद्यालय में संचालित सभी विषयों की पाठ्यक्रम योजना का निर्माण किया गया है, इसके अन्तर्गत विषय से सम्बन्धित प्रत्येक प्रश्न-पत्र के पूरे पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के सापेक्ष बाँट लिया जाता है तथा निर्धारित समय सीमा के अन्दर पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया जाता है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है।

पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय

विद्यालय में समृद्ध पुस्तकालय की योजना क्रियान्वित है। विभिन्न विषयों से सम्बन्धित पुस्तकें/ग्रन्थ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के आवश्यकतानुसार निरन्तर पुस्तकें/ ग्रन्थ क्रय करके मंगायें जाते रहते हैं। पुस्तकालय के साथ विद्यालय में वाचनालय की सुविधा भी उपलब्ध है जहाँ विद्यार्थी अपने खाली समय में पुस्तकालय से पुस्तक लेकर बैठकर अध्ययन कर सकता है। विद्यालय के पुस्तकालय से शिक्षक एवं विद्यार्थी उत्तरोत्तर लाभ उठा रहे हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ भारतीय धर्म एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकों का भी संग्रह किया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को स्नातक-स्नातकोत्तर स्तर पर दो पुस्तकों की सुविधा दी जाती है। इण्टर तक के विद्यार्थियों को पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करने की सुविधा है। विद्यार्थियों के अतिरिक्त शिक्षक भी अपनी शिक्षण शैली में सुधार तथा बौद्धिक ज्ञान के संवर्धन हेतु निरन्तर पुस्तकालय में अध्ययनरत रहते हैं।

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान एवं श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से विद्यालय द्वारा गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र संचालित है।

वेबसाइट

संस्थान की अपनी वेबसाइट कार्यरत है। जिसके द्वारा प्रवेश कार्य एवं संस्थान से सम्बन्धित अन्य प्रशासनिक कार्य निरन्तर होता रहता है।

महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज : शुल्क विवरण

सत्र 2022–23

कक्षा	प्रवेश/वार्षिक शुल्क	मासिक शुल्क
एल.के.जी. - 8 तक	रु. 800.00	रु. 300.00
IX - X	रु. 900.00	रु. 400.00
XI - XII	रु. 1000.00	रु. 400.00 कला वर्ग रु. 450.00 विज्ञान/वाणिज्य वर्ग

नोट : वार्षिक शुल्क में डायरी, आई कार्ड एवं परीक्षा शुल्क सम्मिलित हैं। शुल्क जमा करने का विवरण निम्नवत हैं :-

शुल्क जमा करने की तिथि	शुल्क अवधि	LKG से 8 तक (रू.)	9वीं से 10वीं तक (रू.)	11वीं से 12वीं तक विज्ञान/वाणिज्य वर्ग (रू.)	11वीं से 12वीं तक कला वर्ग (रू.)
1 / 5 / 10 / 15 / 20 / 25	अप्रैल+मई प्रवेश शुल्क के साथ	800+600 = 1400	900+800 = 1700	1000+900 = 1900	1000+800 = 1800
5 / 10 / 15 / 20	जून	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	जुलाई	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	अगस्त	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	सितम्बर	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	अक्टूबर	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	नवम्बर	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	दिसम्बर	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	जनवरी	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	फरवरी	300	400	450	400
5 / 10 / 15 / 20	मार्च	300	400	450	400

नोट :- वार्षिक शुल्क में डायरी, आई कार्ड एवं परीक्षा शुल्क सम्मिलित है।

महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज : पाठ्यक्रम/प्रवेश नियमावली

पाठ्यक्रम

कक्षा– L.K.G. - U.K.G.	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित (लिखित एवं मौखिक)	
कक्षा– 1 से 5 तक	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, सामान्य ज्ञान, कला	
कक्षा– 6 से 8 तक	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गृह विज्ञान, पुस्तक कला, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा एवं पर्यावरण	
कक्षा– 9 से 10 तक	**अनिवार्य विषय**	- हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान
	वैकल्पिक विषय	- गृह विज्ञान, कला, संस्कृत
कक्षा– 11 से 12 तक	**अनिवार्य विषय**	- हिन्दी, अंग्रेजी
	वैकल्पिक विषय	- विज्ञान, कला, गणित, वाणिज्य

प्रवेश नियमावली

1. प्रवेश आवेदन पत्र प्रत्येक कार्यदिवस में विद्यालय के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
2. आवेदन पत्र को बालपेन से अंग्रेजी के कैपिटल अक्षरों में भरकर कार्यालय में जमा करें।
3. आवेदन के साथ किसी भी प्रकार के प्रमाण पत्र/अंक पत्र की छायाप्रति न लगावें। मात्र आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर जमा करें। प्रवेश सूची में नाम आने पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित होते समय तीन फोटो, अंकपत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र की मूल प्रति तथा प्रवेश शुल्क साथ लेकर आवें। प्रवेश स्वीकृत होने पर प्रवेश शुल्क तुरन्त जमा करना आवश्यक होगा।
4. आवेदन पत्र में विषय समझकर भरें। एक बार प्रवेश हो जाने के बाद विषयों में परिवर्तन नहीं होगा।
5. प्रवेश हेतु साक्षात्कार के समय वर्ग एवं विषय आदि के चयन हेतु सुझाव भी दिये जायेंगे। यदि छात्र/छात्रा विषय स्वयं निश्चित न कर सकें तो आवेदन पत्र में न भरे।
6. श्रेष्ठता सूची में घोषित अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार हेतु प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा।
7. साक्षात्कार के पश्चात् चयनित अभ्यर्थी यदि उसी दिन निर्धारित शुल्क जमा नहीं करते हैं तो प्रवेश के लिये उसका चयन निरस्त माना जायेगा।
8. कोई भी संस्थागत छात्र सम्बन्धित सत्र में प्रवेश से लेकर परीक्षा की अन्तिम तिथि तक ही संस्था का छात्र माना जायेगा।

महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज : पाठ्यक्रम/प्रवेश नियमावली

पाठ्यक्रम

स्नातक (कला वर्ग)

Semester	Course Code	Course Title	Credit
		History	
	HIS-101 (A050601R)	An Introduction to the study of History	2+0*
	HIS-102 (A050101T)	Ancient History of India up to 750 A.D.	3+0
	HIS-103 (A050101T) (751-1206 A.D.)	History of Medieval India up to 1206 A.D.	3+0
		Home Science	
	HSC 101	Introduction to Community Science	2+0*
	HSC 102 (A130101)	Fundamentals of Nutrition and Human Development	4+0
	HSC 103 (A130102)	Healthy recipe development and Food Preparation	0+2
		English	
	ENG 101	An Introduction to the Study of English Language and Literature.	2+0*
First Semester	ENG 102 (A040101T)	English Prose and Writing Skills-I	3+0
	ENG 103 (A040101T)	English Prose and Writing Skills-II	3+0
		Political Science	
	POL 101	Introduction to Political Science	2+0*
	POL 102 (A060101T)	Indian National Movement & Constitution of India	4+0
	POL 103 (A060102P)	Awareness of Rights & Law	0+2
		Sociology	
	SOC 101	Introducing Sociology	2+0*
	SOC 102 (B010101T)	Introduction to Basic Concepts of Sociology-I	3+0
	SOC 103 (B010102P)	Introduction to Basic Concepts of Sociology-II	3+0
		Hindi	
	HND 101	Hindi Bhasha aur Sahitya: Samanya Parichaya	2+0*
	HND 102 (A010101T)	Hindi Kavya-I	3+0
	HND 103 (A010101T)	Hindi Kavya (Dvitiya) 3+0	

Semester	Course Code	Course Title	Credit
		Education	
	EDU 101	Introduction of Education	2+0*
	EDU 102 (E010101T)	Conceptual framework of Education-I	3+0
	EDU 103 (E010101T)	Conceptual framework of Education-II	3+0
		Minor Elective	
	ENG 100	Basics of English	2+0
	URD 100	Basics of Urdu	2+0
	FMV 100	Basics of Visual Arts	2+0
	STAT 100	Data Science I	1+1
	MAT 100	Foundation of Mathematics	I 2+0
First Semester	HIS 106	Introduction to Deen Dayal Upadhyaya (Compulsory)	2+0
	PHI 100	Introduction to Nath Panth	2+0
	DSS 106	Understanding Disaster	2+0
		Minor Co-Curricular (Any one)	
	NCC 100	National Cadet Corps	0+2
	NSS 100	National Service Scheme	0+2
	RR 100	Rovers & Rangers	0+2
	PHED 100	Sports	0+2
	FMV 105	Cultural Activities	0+2
	HSC 100	Nutrition, Health and Hygiene	2+0
	PSY 100	Communication Skills and Personality Development	2+0
		Minor Vocational (Any one)	
	AEDU 100	Fashion Designing and Craft Designing	0+2
	AEDU 101	Education Information Technology	0+2
	AEDU 102	Fashion Accessories	0+2

नोट :- 1. उपर्युक्त बेसिक में किसी एक विकल्प का चयन करना होगा।

2. उपर्युक्त विषयों में मेजर विषय के लिए किन्हीं तीन विषयों का चयन करना होगा।

3. विषय का चयन करते समय किन्हीं एक ही प्रयोगात्मक विषय के विकल्प का चयन करना होगा।

स्नातक (वाणिज्य वर्ग)

Semester	Course Code	Course Title	Credit
First Semester		**Commerce**	
	COM 101	Business Environment	2+0
	COM 102 (C010101T)	Business Organisation I	3+0
	COM 103 (C010101T)	Business Organisation II	3+0
	COM 104	Documentation in Business	2+0
	COM 105 (C010102T)	Business Statistics I	3+0
	COM 106 (C010102T)	Business Statistics II	3+0
	COM 107	Elements of Banking & Insurance	2+0
		Any one of the following	
	COM 108 (C010103T)	Business Communication I	3+0
	COM 109 (C010103T)	Business Communication II	3+0
		OR	
	COM 110 (C010104T)	Introduction to Computer Application I	3+0
	COM 111 (C010104T)	Introduction to Computer Application II	3+0
		Minor Elective	
	ENG 100	Basics of English	2+0
	URD 100	Basics of Urdu	2+0
	FMV 100	Basics of Visual Arts	2+0
	STAT 100	Data Science I	1+1
	MAT 100	Foundation of Mathematics	I 2+0
	HIS 106	Introduction to Deen Dayal Upadhyaya (Compulsory)	2+0
	PHI 100	Introduction to Nath Panth	2+0
	DSS 106	Understanding Disaster	2+0
		Minor Co-Curricular (Any one)	
	NCC 100	National Cadet Corps	0+2
	NSS 100	National Service Scheme	0+2
	RR 100	Rovers & Rangers	0+2
	PHED 100	Sports (any)	0+2

Semester	Course Code	Course Title	Credit
	FMV 105	Cultural Activities	0+2
	HSC 100	Nutrition, Health and Hygiene	2+0
	PSY 100	Communication Skills and Personality Development	2+0
	Minor Vocational (Any one)		
	AEDU 100	Fashion Designing and Craft Designing	0+2
	AEDU 101	Education Information Technology	0+2
	AEDU 102	Fashion Accessories	0+2

नोट :- उपर्युक्त बेसिक (Basic) में किसी एक विकल्प का चयन करना होगा।

स्नातकोत्तर (कला वर्ग)

Sociology

Paper Code	Title of Paper	Course	Marks		Total
			Written	Internal	Marks
SOC 501	Foundations of Sociological Thought	Core	70	30	100
SOC 502	Principles and Methods of Data Collection	Core	70	30	100
SOC 503	Sociology of Development	Core	70	30	100
SOC 504	Perspectives in Indian Sociology	Core	70	30	100
SOC 505*	Society and Culture in Contemporary India	Elective	70	30	100
SOC 506*	Sociology of Ageing	Elective	70	30	100
Total Marks					**500**

Home Science

Code	Title of Paper	Max. Marks	Credit
HSCM501	Research Methods Statistics and Computer Application	100	4
HSCM502	Food Science	100	4
HSCM503	Advance Apparel and Fashion Design	100	4
HSCM504	Entrepreneurship Management	100	4
Practical	Based On Paper I, II, III and IV + Seminar	200 + 25	8 + 1 = 9
Total marks		**625**	

Education

First Semester						
Code	**Course Name**	**Credit**	**Periods**	**Internal Marks**	**Ext. Marks**	**Total**
501	Philosophical Bases of Education Western Philosophy	5	90	30	70	100
502	Sociological Bases of Education	5	90	30	70	100
503	Psychological Bases of Education	5	90	30	70	100
504	Methodology of Education Research	5	90	30	70	100
505	Practical	5	90	30	70	100

प्रवेश नियमावली

1. स्नातक कला वाणिज्य वर्ग एवं स्नातकोत्तर में प्रवेश एवं अध्यापन सेमेस्टर प्रणाली के अनुसार होता है।
2. प्रवेश आवेदन पत्र ऑनलाईन/ऑफलाईन दोनों प्रकार से भरा जा सकता है। ऑनलाईन प्रवेश आवेदन पत्र संस्थान की वेबसाइट www.mpmpgc.in पर भरकर आवेदन पत्र की प्रति 100 रु. शुल्क के साथ महाविद्यालय के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। ऑफलाईन प्रवेश आवेदन पत्र प्रत्येक कार्य दिवस में महाविद्यालय कार्यालय से 100 रु. में प्राप्त किया जा सकता है।
3. आवेदन पत्र को बाल पेन से साफ अक्षरों में भरकर तथा ऑनलाइन प्रवेश फार्म की प्रति नकद 100 रु. के साथ महाविद्यालय कार्यालय में 30 जून तक जमा कर दें। 30 जून के बाद प्राप्त आवेदन-पत्र का प्रवेश दूसरी सूची में (जगह बचने पर) होगा। आवेदन पत्र डाक से भी भेज सकते हैं। किन्तु डाक से आवेदन पत्र प्राप्त न होने पर महाविद्यालय की जिम्मेदारी नहीं होगी।
4. आवेदन पत्र (ऑनलाईन/ऑफलाईन) के साथ दो फोटो, सभी प्रमाण पत्रों/अंक पत्रों की मूल प्रति एवं छाया प्रति, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, प्रवजन (माइग्रेशन) प्रमाण पत्र तथा सम्पूर्ण शुल्क साथ लेकर आवें। प्रवेश स्वीकृत होने पर आवेदन पत्र के साथ छायाप्रति लगाना एवं प्रवेश शुल्क तुरन्त जमा करना आवश्यक होगा।
5. आवेदन पत्र में विषय समझकर भरें। एक बार प्रवेश हो जाने के बाद विषयों में परिवर्तन नहीं होगा। प्रवेश हेतु साक्षात्कार के समय वर्ग एवं विषय आदि के चयन हेतु सुझाव भी दिये जायेंगे। यदि छात्र/छात्रा विषय स्वयं न तय कर सके तो आवेदन पत्र में न भरे।
6. प्रवेश, साक्षात्कार के द्वारा छात्र के मूल्यांकन के आधार पर होगा। साक्षात्कार हेतु इण्टरमीडिएट परीक्षा प्राप्तांक के श्रेष्ठता क्रम में बुलाया जायेगा। उक्त श्रेष्ठता सूची में नाम होने का यह कदापि अर्थ नहीं होगा कि छात्र प्रवेश हेतु अर्ह है।
7. इण्टरमीडिएट की परीक्षा व्यावसायिक वर्ग से उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की श्रेष्ठता सूची सैद्धान्तिक विषयों के प्राप्तांक के आधार पर निर्धारित होगी, इसमें प्रायोगिक अंक सम्मिलित नहीं होंगे। यू.पी. बोर्ड एवं केन्द्रीय बोर्ड के प्राप्तांकों में समानता जाने हेतु समान स्तर का सिद्धांत लागू किया जा सकता है।
8. एक संकाय में प्रवेश हेतु पंजीकृत आवेदन पत्र किसी भी दशा में अन्य संकाय में स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा। यदि कोई छात्र एक ही साथ कई संकायों में प्रवेश हेतु आवेदन करना चाहे तो अलग-अलग संकायों के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा।
9. सभी संकायों में प्रतिदेय अधिप्रतिनिधित्व तथा आरक्षण सरकार एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगा। प्रबन्ध समिति के द्वारा महाविद्यालय हित में तय किये गये आरक्षण भी मान्य होगे।
10. साक्षात्कार हेतु श्रेष्ठता सूची महाविद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रकाशित कर दी जायेगी। श्रेष्ठता सूची में घोषित अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि पर साक्षात्कार हेतु प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होना होगा।
11. साक्षात्कार के पश्चात् चयनित अभ्यर्थी यदि उसी दिन निर्धारित शुल्क जमा नहीं करते हैं तो प्रवेश के लिये उसका चयन निरस्त माना जायेगा। कोई भी संस्थागत छात्र सम्बन्धित सत्र में प्रवेश से लेकर परीक्षा की अन्तिम तिथि तक ही संस्था का छात्र माना जायेगा।

महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज : शुल्क विवरण

सत्र 2022–23

1.	बी.ए.	–	4000.00
2.	बी.ए. (प्रायोगिक)	–	4500.00
3.	बी.काम.	–	6000.00
4.	एम.ए.	–	6000.00
5.	एम.ए. (गृहविज्ञान)	–	8000.00

विशेष :- परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा फार्म भरे जाने के समय अलग से देय होगा। जिसका विवरण निम्ल है :-

	सेमेस्टर	रजिस्ट्रेशन शुल्क	परीक्षा शुल्क
स्नातक कला एवं वाणिज्य	प्रथम	150	1800
	द्वितीय	150	1800
स्नातकोत्तर	प्रथम	150	2000
	द्वितीय	150	2000

आग्रह

- किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए लिया गया शुल्क किसी अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न तो समायोजित होगा और न ही वापस होगा। प्रत्येक छात्र/छात्रा को उसके द्वारा जमा की गयी धनराशि की रसीद दी जायेगी।
- प्रत्येक छात्र/छात्रा को प्रति वर्ष परिचय पत्र दिया जायेगा। जिसे विद्यालय में लगाकर विद्यालय/महाविद्यालय में आना अनिवार्य होगा।
- विद्यालय द्वारा बोर्ड पूर्व परीक्षा तथा महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा करायी जायेगी, जिसमें सामान्यत: उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।
- स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) एवं गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर विद्यालय के समारोह में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। अनुपस्थित होने पर नियमानुसार कार्यवाई की जायेगी।
- युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं ब्रह्मलीन राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि सप्ताह समारोह तथा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन (04 दिसम्बर) एवं समापन समारोह (10 दिसम्बर) में प्रत्येक छात्र/छात्रा की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 4 दिसम्बर को अनुपस्थित होने पर 100 रूपये अर्थदण्ड देना होगा।

पुस्तकालय

विद्यालय/महाविद्यालय में नामांकित प्रत्येक छात्र/छात्रा नियमानुसार पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करने का अधिकारी होगा। जिसके लिए आवश्यक औपचारिकतायें अभ्यर्थी को पूर्ण करनी होगी।

छात्रावास

विद्यालय/महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के लिए सीमित संख्या में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मीराबाई महिला छात्रावास/ब्वायज हास्टल सिविल लाइन्स, गोरखपुर में आवासीय सुविधा उपलब्ध है। छात्र/छात्राओं को उनकी आवश्यकता, शैक्षिक योग्यता और उनके पैतृक स्थान से दूरी के आधार पर वरीयता क्रम में छात्रावास आवंटित होगा।

छात्रवृत्तियाँ

- राज्य सरकार से प्राप्त विभिन्न छात्रवृत्तियाँ नियमानुसार देय होंगी।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की ओर से योग्यता के आधार पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को प्रति वर्ष 10 दिसम्बर को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

उत्सव एवं विशेष कार्यक्रम

विद्यालय/महाविद्यालय में मुख्य रूप से निम्नलिखित उत्सवों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्वतन्त्रता दिवस, ब्रह्मलीन महन्त द्वय दिग्विजयनाथ जी तथा अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप जयन्ती/पुण्यतिथि, गाँधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, गणतंत्र दिवस, संस्थापक सप्ताह समारोह, वार्षिक क्रीड़ा समारोह, विशेष व्याख्यान, विज्ञान मेला आदि। प्रतिवर्ष अगस्त/सितम्बर माह में सप्तदिवसीय ब्रह्मलीन राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला इत्यादि का आयोजन महाविद्यालय में किया जाता है।

विद्यालय/महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (2021-22)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जागरुगता रैली में सम्मिलित छात्र-छात्राएँ

विद्यालय/महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (2021-22)

कोविड से बचाव हेतू टीकाकरण के लिए उत्साहित छात्र-छात्राएँ

सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला में उपस्थित मुख्य अतिथि

सत्ररम्भ में प्रभारी-शिक्षक बैठक

खिचड़ी मेला सेवा में उपस्थित छात्राएँ

विवेकानंद जयंती के अक्सर पर मल्यार्पण करती प्राचार्या/प्रधानाचार्य

विभिन्न प्रतियोगिताओ में पुरष्कार पाकर हर्षित छात्र-छात्राएँ

कक्षा में सर्वोच्च अंक पाकर मुख्य आतिथि से पुरष्कार प्राप्त करती छात्र

संस्थापक समारोह में वॉलीबाल में प्रथम स्थान प्राप्त टीम

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम

सरस्वती पूजन के अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राएँ, शिक्षक एवं अभिभावक

प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र-छात्राएँ

विद्यालय/महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (2021-22)

कवि गोष्ठी प्रतियोगिता मे पुरष्कृत छात्र

NCC ट्रेनिंग के दौरान छात्राएँ

रंगोली प्रतियोगिता में रंगोली बनाती छात्राएँ

वार्षिक उत्सव में उपस्थित छात्रओं की नृत्य टोली

पकवान बनाती गृह विज्ञान की छात्राएँ

पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपड़ करते मुख्य अतिथि

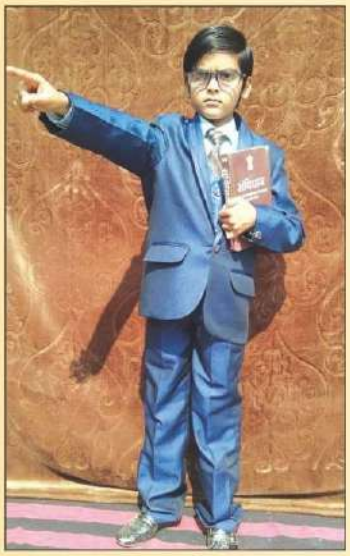

संविधान दिवस के अवसर पर
अंबेडकर जी के वेश में छात्र

शिक्षक दिवस के अवसर पर
शिक्षिका के रूप मे छात्र

फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में
भारतीय परिधान में छात्र

मतदान जागरूकता के लिए
पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

गाँधी शास्त्री जयंती के अवसर पर
पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

विद्यालय/महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (2021-22)

योग-प्राणायाम प्रतियोगिता में विभिन्न मुद्राओं में छात्र

विभिन्न प्रदेश के परिधानों का प्रस्तुतिकरण करती गृह विज्ञान की छात्राएँ

पकवान के माध्यम से विभिन्न त्योहारों की झलक दिखाती गृह विज्ञान की छात्राएँ

विद्यालय एवं महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम की पेपर कटिंग

गोरखपुर | रविवार, 6 फरवरी 2022 | 8

अमर उजाला | गोरखपुर

विद्या की देवी मां सरस्वती की हुई आराधना

वसंत पंचमी : घरों और शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित हुए कार्यक्रम, राप्ती नदी के रामघाट पर लोगों ने किया स्नान और दान

शारदा मंदिरालय आर्यनगर में मां सरस्वती की आरती करतीं छात्राएं। फोटो

गायत्री शक्तिपीठ में पंच कुंडीय यज्ञ का आयोजन

'संस्कृति को प्रदर्शित करता है वसंत पंचमी का पर्व'

उत्कृष्ट योगदान के लिए विद्यार्थी सम्मानित

गोरखपुर | शनिवार • 11 दिसम्बर • 2021 | सहारा

महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में छात्राओं द्वारा विद्या परिषद के संरक्षक अमरनाथ पर पुस्कार प्राप्त प्रस्तुत। सहारा : रामनाथ

पुरस्कार, प्रमाणपत्र एवं शील्ड पाकर मेधावियों के खिले चेहरे

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • रविवार • 06 फरवरी 2022 • 06

मां सरस्वती की पूजा कर मांगा ज्ञान का आशीष

गोरखपुर | निज संवाददाता

जंगल बुस्स स्थित एकेडमिक स्पॉटस स्कूल में मां सरस्वती की पूजा की गई।

गोरखपुर एवं स्थित के प्राथमिक इंजिनियर विभाग में सरस्वती पूजन करते छात्र-प्रवाह।

वसंत पंचमी पर किया गया यज्ञ

बच्चों की प्रस्तुति को मिली सराहना

माता शारदे पर दे...

आइल वसंत ऋतु आइल, मौरा लिया उगनाइल...

पूजन में बच्चों ने निकाली मनोहारी झांकी

गोरखपुर | अमर उजाला | 9 | 6 फरवरी 2021

विश्व पर्यावरण दिवस

पर्यावरण और जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं। ए पड़ता है। अब तक की आई महामारियों ने

पौधों से ही हमारा जीवन और समस्त ब्रह्मांड सुरक्षित

शैक्षणिक संस्थानों में पौधे लगाकर लिया गया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, व्याख्यान और परिचर्चा का भी हुआ आयोजन

वृक्ष पूजन का पर्यावरण मित्र बनने का लिया संकल्प

पौधारोपण कर कॉलेज में पुत्र मित्रक दो की श्रद्धांजलि

www.jagran.com | 8 | दैनिक जागरण | गोरखपुर, 6 फरवरी 2021

पौधारोपण कर मनाया सीएम का जन्मदिन

प्राकृतिक आक्सीजन के लिए करना चाहिए पौधारोपण : प्रो. रामअचल सिंह

गोरखपुर | हिन्दुस्तान | 04

केंद्रीय शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बोले- नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को दुनिया

अमर उजाला | गोरखपुर | फरवरी, 11 दिसंबर 2021 | 2

पुरस्कार को पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्तम समारोह के तहत मेधावियों को दिए गए पुरस्कार

संस्थापक-सप्ताह समारोह शोभा यात्रा

1981 ई. से प्रतिवर्ष 4 से 10 दिसम्बर तक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक-सप्ताह समारोह मनाया जाता है। 4 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में निकलने वाली शोभायात्रा में विद्यालय/महाविद्यालय अपनी पूरी तैयारी से सम्मिलित हुआ तथा इण्टर कालेज ने अनुशासन एवं श्रेष्ट पथसंचलन में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संस्थापक-सप्ताह समारोह मुख्य महोत्सव : महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक-सप्ताह समारोह मुख्य महोत्सव (10 दिसम्बर) में विद्यालय ने सक्रिय भूमिका निभायी। इस समारोह में विद्यालय के कक्षा 9 की छात्रा कु. वैष्णवी अग्रहरि को सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगी का पं. बब्बन मिश्र स्मृति पुरस्कार प्राप्त हुआ। गोरखवाणी (कनिष्ठ वर्ग) में कक्षा 10 की छात्रा वैष्णवी अग्रहरि को तृतीय स्थान, श्रीमद्भवगत् गीता में कक्षा 10 की छात्रा वैष्णवी अग्रहरि को द्वितीय स्थान तथा मधु चौरसिया को तृतीय स्थान; संतवचन प्रतियोगिता में कक्षा 10 की छात्रा वैष्णवी अग्रहरि को प्रथम स्थान एवं कक्षा 10 की छात्रा मधु चौरसिया को द्वितीय स्थान तथा कक्षा 9 के प्रिंस को तृतीय स्थान; घोष अन्ताक्षरी में आशी यादव के ग्रुप को द्वितीय स्थान, रामचरितमानस में कक्षा 10 की छात्रा वैष्णवी अग्रहरि को प्रथम स्थान तथा आशिका श्रीवास्तव को तृतीय स्थान। हिन्दी सुलेख द्वितीय वर्ग में कक्षा 8 की छात्रा आशी यादव को द्वितीय स्थान, उदयमान कवि गोष्ठी वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 12 की छात्रा शालिनी यादव को तृतीय स्थान तथा शोभा यात्रा पद संचलन में कक्षा की छात्रा दिव्या तिवारी को प्रथम स्थान प्रात हुआ। सभी टीमों को प्रमाणपत्र एवं शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया।

संस्थापक-सप्ताह समारोह मुख्य महोत्सव : महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव (10 दिसम्बर) में महाविद्यालय ने अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया। इस वर्ष महाविद्यालय के बास्केटवाल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त की, जिसमें श्रेया रानी, साधना गुप्ता, उर्विजा त्रिपाठी, खुशी यादव, अनीता चौधरी आदि छात्रायें सम्मिलित थी। इस वर्ष बी.ए. प्रथम वर्ष छात्राएं सुहानी मौर्या एवं शिवांगी सिंह पटेल, बी.ए. द्वितीय वर्ष अनीसा राय एवं प्रीति ओझा, बी.ए. तृतीय वर्ष की अर्चना सिंह, आंचल गुप्ता, बी.काम. प्रथम वर्ष की जोया फैजानी एवं श्रुति सिन्हा, बी. काम. द्वितीय वर्ष की दीपिका जायसवाल, उर्वशी गुप्ता; बी. काम. तृतीय वर्ष की छवि गुप्ता एवं रीचा सिंह; एम.ए. भाग दो की गुंजन मिश्रा एवं श्वेता भारती मुख्य महोत्सव के मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र प्रधान जी के हाथों पुरस्कृत हुई।

विद्यालय/महाविद्यालय की भावी योजनायें

स्मार्ट बोर्ड द्वारा शिक्षण कार्य

शिक्षण कार्य में तकनीकि का समावेश करने के उद्देश्य से अत्याधुनिक स्मार्ट बोर्ड द्वारा शिक्षण कार्य कराना विद्यालय की भावी योजनाओं की वरीयता में सर्वोपरि है।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं

अध्ययन-अध्यापन को रूचिकर, प्रभावी एवं बोधगम्य बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्टर युक्त कक्षाओं का संचालन करना हमारी भविष्य की महात्वाकांक्षी योजना है। इस योजना से विद्यार्थियों को तो लाभ होगा ही, साथ ही शिक्षक भी तकनीकी शिक्षा हेतु अभ्यस्त होगा।

वाई–फाई परिसर

संस्थान की भावी योजना अपने संपूर्ण परिसर को तेज रफ्तार वाई-फाई सुविधा से युक्त करना है। इस हेतु संस्था अपना पूर्ण प्रयास कर रही है। संस्थान का उद्देश्य अपने सभी विद्यार्थियों को परिसर के अन्दर निःशुल्क वाई-फाई सुविधा प्रदान करना है।

शिक्षा में तकनीकी प्रसार

शिक्षण विधा में आधुनिकता एवं तकनीक का प्रयोग करते हुए अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तकनीकि कुशल बनाना भी हमारी भविष्य की योजना है। इसके तहत पॉवर प्वाइन्ट द्वारा प्रस्तुतिकरण, दृश्य-श्रव्य तकनीक का प्रयोग, विषय सम्बन्धित डाक्यूमेन्ट्री इत्यादि तकनीकि विधाओं का समावेशन किया जाएगा।

वेबसाइट

हमारे विद्यालय/महाविद्यालय की अपनी अद्यतन वेबसाइट पर विद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम-योजना वेबसाइट पर अद्यतन रहेगी। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी वेबसाइट पर प्राप्त कर सकेगा।

शिक्षक मासिक बैठक

संस्थान को उत्तरोत्तर प्रगति एवं विकास के पथ पर अग्रसर करने के उद्देश्य से नियमित शिक्षक मासिक बैठक को लागू करना भी भविष्य की हमारी योजनाओं का हिस्सा है।

गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशाला

प्रयोगात्मक ज्ञान एवं शिक्षण हेतु संस्थान में प्रयोगशाला उपलब्ध है। इन विभिन्न विषयों की प्रयोगशालाओं को और अधिक आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाना संस्थान की भावी योजना है। इस हेतु संस्थान अधिक से अधिक आवश्यक प्रायोगिक सामग्री एवं उपकरणों से अपने प्रयोगशाला को लैस करने हेतु प्रतिबद्ध है।

प्रयोगशाला में प्रायोग करते विद्यार्थी

इण्टरनेट युक्त पुस्तकालय

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए संस्थान में पुस्तकालय की सुविधा विद्यमान है। पुस्तकालय में उपयुक्त संख्या में विषय एवं पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पुस्तकें/ग्रन्थ उपलब्ध हैं। विषय एवं पाठ्यक्रम की पुस्तकों/ग्रन्थों के साथ-साथ भारतीय धर्म एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकों/ग्रन्थों का संग्रह किया जाना अभी शेष है। इसके साथ ही विषय एवं पाठयक्रमों से सम्बन्धित विविध प्रकार के गुणवत्तापूर्ण पत्रिकाओं यथा- विज्ञान प्रगति, प्रतियोगिता दर्पण, सामान्य ज्ञान दर्पण आदि से पुस्तकालय को सुसज्जित कराना एवं विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय में इण्टरनेट युक्त कम्प्यूटर उपलब्ध कराना हमारी भावी योजनाओं का अंश है।

सूचना एवं परामर्श केन्द्र

महाविद्यालय में सूचना एवं परामर्श केन्द्र का विकास किया जायेगा जिससे छात्र/छात्राओं को विशेषज्ञों द्वारा मागदर्शन की व्यवस्था होगी।

शिक्षक अभिभावक बैठक

विद्यालय में शिक्षक अभिभावक मासिक बैठक के साथ-साथ महाविद्यालय में वर्ष में दो बार शिक्षक अभिभावक बैठक आयोजित की जायेगी।

शिक्षक मूल्यांकन

विद्यालय/महाविद्यालय के शिक्षकों का मूल्यांकन प्रतिपुष्टि प्रपत्र के माध्यम से छात्र/छात्राओं द्वारा किया जायेगा। जिसे प्राचार्य के अतिरिक्त केवल सम्बन्धित अध्यापक को उपलब्ध कराया जायेगा।

पुरातन छात्र परिषद

महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद का गठन किया जायेगा, जिसकी वर्ष में न्यूनतम दो बैठकें आयोजित की जायेंगी।

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण

महाविद्यालय की छात्राओं को नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण सुविधा प्रदान करने के सन्दर्भ में हमारा प्रयास है।

हमारे प्रयास ...

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के तीन श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरुष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- ग्रीष्मावकाश के पश्चात् 1 जुलाई से इण्टरमीडिएट की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 1 जुलाई से स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 1 जुलाई से प्रयोगशालाएँ प्रारम्भ।
- 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- स्नातक स्तर पर सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन।
- विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- प्री-बोर्ड/विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- प्री-बोर्ड/विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- प्रत्येक सत्र में संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वावलम्बन हेतु निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महन्त दिग्विजयनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।

एक ही परिसर में
एल.के.जी. से स्नातकोत्तर
तक की शिक्षा
घर की तरह
सुरक्षित परिसर